>

Title: Flood situation in Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति जी, बरसात का समय आता है और बिहार राज्य बाढ़ में डूब जाता है। बाढ़ और सूखाड़ बिहार की नियति बन चुकी है। अभी बिहार सूखाड़ से प्रभावित था। देश के अन्य हिस्सों में जो वर्षा हुई है उसका पानी बिहार में जाकर वहां के अधिकांश हिस्से को डूबा दिया। किसान अपनी मेहनत से जो भी भदई और खरीफ फसल पैदा करने का प्रयास किया था, वे सभी फसलें नष्ट हो गई।

महोदय, इधर लगातार प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर नेपाल उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश एवं उत्तराखण्ड में भारी वर्षा होने के कारण गंगा बेसीन की सभी नदियां उफान पर हैं जिससे बिहार राज्य का बड़ा भू-भाग बाढ़ से प्रभावित हुआ है। नदियों के जल स्तर बढ़ने से बाढ़ का विस्तार होता जा रहा है। किसान सूखाग्रस्त इलाके में भारी लागत लगा कर जो भी खेती कर पाए थे वह अधिकांश बर्बाद हो चुका है या हो रहा है। भदई और खरीफ की खेती का बाढ़ से बच पाने की सम्भावना नहीं है।

गंगा नदी पर बने टिहरी जलाशय से भी अनियंत्रित पानी छोड़ने के कारण बाढ़ का दृश्य उपस्थित हुआ है। यदि टिहरी जलाशय में फ्लड क्यूसन की व्यवस्था होती तो वर्तमान भयावह स्थिति से बचा जा सकता था। गंगा के साथ गंगा बेसिन की नदियां सरजु,घाघरा, गंडक, बागमती, कोशी और महानंदा के उफान को बिना केन्द्रीय सरकार के सहयोग से नहीं रोका जा सकता है। क्योंकि इसमें नेपाल का सहयोग केन्द्रीय सरकार ही प्राप्त कर सकती है।

सभापति महोदय : आपकी मांग क्या है?

श्री जगदानंद सिंह : भविष्य में बनने वाली सभी जलाशयों में फ्लड कुशन की व्यवस्था भी आवश्यक है। तत्कालिक रूप से आई बाढ़ से प्रभावित इलाके मुख्यतः बक्सर, कैमूर, भोजपुर, पटना आदि जिले के साथ् उत्तर बिहार के बाढ़ से प्रभावित इलाके के ग्रामिणों को राहत देने तथा कृषि में हुई क्षति की क्षतिपूर्ति के साथ लगातार आगामी फसल तक जीविकोपार्जन के साधन की जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए बिहार सरकार को निर्देशिति किया जाए। साथ ही, बाढ़ से भविष्य में बिहार की रक्षा के लिए केन्द्र सरकार से सार्थक एवं सक्रिय भूमिका निभाने की मांग करता हूं। क्योंकि जब तब जलाशयों में फ्लड क्यूसन की व्यवस्था नहीं होगी तब तक हम बिहार को बाढ़ से मुक्ति नहीं दिला सकते हैं। इसलिए मैं मांग करता हूं कि केन्द्र सरकार इसके लिए भविष्य की योजना बनाए।